

क्राईम बॉर्डर :

मध्यवर्ती कार्यालय : आई ट्रीपदा विलिंग, ३०४, शंकरेश्वर पामनजव, साई बाबाबारा कॉम्प्लेक्स समोर, चंडोबा मंदीर रोड, डोंबिवली (प.) ता. कल्याण, जि. ठाणे - ४२१२०२
मोबा. ९६१९६३००३५ / ९६८७४९६३६

जाहिराती, बातम्या, नोटीस विकाराच्या जातील.
जाहिरात प्रतिनिधी, वाताहर नेमणे आहे.
ईथुकांनी संपर्क साधावा.



क्राईम बॉर्डर



संपादक : राजेंद्र वखरे

■ RNI.No. MAHBL/2010/41122

■ E Mail : crimeborder@gmail.com

■ वर्ष : १५

■ अंक : १३

■ पाने : ४

■ कल्याण, जि. ठाणे

■ दि. १५/१०/२०२५

■ मूल्य : ₹ ५.००/-

■ आर.एन.आय.नं.

एमएचबीआयएल/२०१०/४११२२

■ Vol : 15 ■ Issue : 13 ■ Marathi / Hindi ■ Pages : 4 ■ Kalyan, Dist Thane ■ Date : 15 October 2025 ■ Price 5.00/-

सायबर गुन्हेगारी चे प्रशिक्षण इयत्ता तिसरी पासून घावे - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

क्राईम बॉर्डर न्यूज मुंबई : सायबर गुन्हेगारीवर नियंत्रण मिळवण्यासाठी आणि डिजिटल युगातील आढ्यांना तोंड देण्यासाठी शालेय स्तरापासून मुलांना सायबर सुरक्षेबाबत प्रशिक्षण देण्याचा विचार महाराष्ट्र सरकार करीत आहे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी याविषयी माहिती देताना सांगितले की, तिसऱ्या इयत्तेपासूनच मुलांना त्यांच्या क्षमतेनुसार सायबर गुन्हेगारीबाबत शिक्षण देण्यासाठी विशेष व्यवस्था उभारण्याची गरज आहे. एक बडा देऊन चालणारा नाही, तर एक सर्वेक व्यवस्था निर्माण करावी लागेल, असं त्यांनी स्पष्ट केलं.

सायबर फसवणुकीत गोल्डन अवर् महत्त्वाचा : सायबर जगनातली कार्यक्रमाचे उद्देशाने शुक्रवारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांचे हस्ते महाराष्ट्र पोलीस मुख्यालयात झालंय. यावेळी पोलीस महसंचालक रमेश शुक्ला, गृह विभागाचे अपर मुख्य सचिव इब्राहिम सिंह चहल, अभिनेता अक्षय कुमार, अभिनेत्री राणी मुखर्जी, जिन्हेंटीआयचे डॉ. फारुक काझी, आयआयटी मुंबईचे प्रा. मंजेश इनवाल यांच्यासह वरिष्ठ पोलीस अधिकारी उपस्थित होते. या कार्यक्रमात फडणवीस यांनी सायबर फसवणुकीच्या घटनांमध्ये तातडीने तक्रार करण्याचे महत्त्व उद्घोषित केलं. ते म्हणाले, "रस्ता अपघातात ज्याप्रमाणे गोल्डन अवर् मध्ये उपचार मिळाल्यास प्राण वाचू शकतात, त्याचप्रमाणे सायबर फसवणुकीतही तात्काळ तक्रार केल्यास फसवणुकीची रक्कम वाचवणे आणि परत मिळवणे शक्य होतं."

तिसऱ्या इयत्तेपासूनच मुलांना त्यांच्या क्षमतेनुसार सायबर गुन्हेगारीबाबत शिक्षण देण्यासाठी विशेष व्यवस्था उभारण्याची गरज आहे. तसेच त्यासाठी सर्वेक व्यवस्था निर्माण करावी लागेल, असं त्यांनी स्पष्ट केलंय.



अक्षय कुमार यांनी सांगितला आपल्या मुलीसोबतचा किस्सा : या कार्यक्रमात अभिनेता अक्षय कुमार यांनी आपल्या मुलीशी संबंधित सायबर गुन्हेगारीच्या एका घटनेचा उल्लेख केला. ते म्हणाले, "माझी मुलगी ऑनलाइन गेम खेळत होती, तेव्हा तिला अनेकदा व्यक्तीकडून मेसेज आला. प्रथम सामान्य प्रश्न विचारल्यानंतर त्या व्यक्तीनं अश्लील फोटोही मागणी केलीय. सुदैवानं माझ्या मुलीनं ही बाब तिच्या आईला सांगितली. पण प्रत्येक वेळी असं घडत नाही. त्यांनी मुख्यमंत्री

देवेंद्र फडणवीस यांना विनंती केली की, शाळांमध्ये इतिहास आणि गणिताप्रमाणेच सायबर सुरक्षेचा विषयही शिक्षला जावा. "डिजिटल विश्वाची माहिती मुलांना देणं अत्यंत आवश्यक आहे," असही त्यांनी नमूद केलंय.

सायबर गुन्हेगारीचे स्वरूप बदललं : मुख्यमंत्री फडणवीस यांनी डिजिटल युगातील सायबर गुन्हेगारीच्या बदलत्या स्वरूपावर प्रकाश टाकला. ते म्हणाले, "कृत्रिम बुद्धिमत्तेच्या (एआय) वापरामुळे फिशिंग, ओटीपी फसवणूक, डीपफेक,

आवाज आणि चेहरा क्लोनिंग यांसारख्या नवीन तंत्रांचा गैरवापर होत आहे. सोशल मीडिया, ऑनलाइन व्यवहार आणि कुकीज स्वीकारल्यानंतर वैयक्तिक माहितीचा गैरवापर होऊ शकतो, ज्यामुळे स्कॅम, एक्स्टॉर्शन आणि सायबर बलिंगसारखे प्रकार घडतात." त्यांनी सायबर गुन्हेगारी डिजिटल फिमिफरिट मागे राहत असल्याने तंत्रज्ञानाच्या मदतीने गुन्हेगारांचा माग काढणे शक्य असल्याचीही नमूद केली.

तंत्रज्ञान हाच धोका असला, तरी त्यावर तंत्रज्ञान हाच उपाय ! राज्यात जागतिक स्तराची सायबर सिक्युरिटी लॅब, प्रतिस्दा केंद्र आणि रेयुलेटरी यंत्रणा उभारण्यात आल्याचे फडणवीस यांनी सांगितले. यामुळे फसवणुकीनंतर तात्काळ कारवाई करून नुकसान कमी करता येतं. मात्र, यासाठी वेळोवेळी तक्रार होणे आवश्यक आहे. तंत्रज्ञान हाच धोका असला, तरी त्यावर तंत्रज्ञान हाच उपाय असल्याचे त्यांनी अधोरेखित केले. मुख्यमंत्री फडणवीस यांनी सायबर सुरक्षिततेसाठी जनजागृती आणि तंत्रज्ञान यांचे समान महत्त्व असल्याचे सांगितले. "युवकांपर्यंत सायबर सुरक्षिततेची माहिती पोहोचवण्यासाठी कम्युनिकेटर्सची भूमिका महत्त्वाची आहे. सायबर गुन्हे टाळण्यासाठी जनजागृती हा सर्वात प्रभावी उपाय आहे," असे त्यांनी नमूद केले. या कार्यक्रमात सायबर सुरक्षेच्या दिशेने एक महत्त्वाचे पाऊल उचलले असून, नेत्या काळात शालेय शिक्षणात सायबर सुरक्षेचा समावेश हा एक क्रांतिकारी बदल ठरू शकतो, असही मुख्यमंत्री म्हणाले.

रोटरी क्लब ऑफ डोम्बिवली विनर्स के नए अध्यक्ष बाँबी पिन्टो / सचिव उज्जल टोम्बे की नियुक्ति !

क्राईम बॉर्डर न्यूज (डोंबिवली) : १२ जुलई, २०२५ को, रोटरी क्लब ऑफ डोम्बिवली विनर्स ने डोम्बिवली के एमएनएडीसी स्थित कामा हॉल में अपना अध्यक्ष पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया था। यह कार्यक्रम, जिसकी शुरुआत एक शानदार शरते के साथ हुई, और इसमें सम्मानित हिस्ट्रिक गवर्नर, रोटेरियन, हॉ मकोल, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में सहायक गवर्नर रोटेरियन जॉर्ज ओमन और गवर्नर्स युग के प्रतिनिधि रोटेरियन माधव सिंह उपस्थित थे। महासचिव रोटेरियन श्रीजीत पुरेन, रोटेरियन प्रमोद मिश्रा, रोटेरियन विश्व नायर, रोटेरियन भुजंग धांडी, रोटेरियन प्रकाश शाह, रोटेरियन निखिल धुत, रोटेरियन आरती धुत, रोटेरियन मंदार सोमन, रोटेरियन माधव चिकोडी और रोटेरियन भी उपस्थित थे। संतोष नंबूदरी ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह के सूर संचालक, रोटेरियन आमोद खरे, जो एक पेशेवर एंकर हैं, उन्होंने कुशल तापपूर्वक कार्यवाही का संचालन किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में, पूर्व अध्यक्ष ने पिछले वर्ष क्लब की उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए एक व्यापक ऑ डिग्री विजुअल प्रस्तुति दी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन बाँबी पिन्टो ने एक प्रेरक भाषण दिया और सभी सदस्यों से मिलकर काम करने का आह्वाण किया। उन्होंने सदस्यों के उत्साह और सामाजिक कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। अध्यक्ष पिन्टो ने क्लब के भीतर अच्छे मेजबानी के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि सदस्यों के बीच मजबूत बंधन को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने एक ऐसे क्लब की कल्पना की जहाँ सदस्य अच्छे दोस्त बनें

और एक समान लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करें। इसे प्राप्त करने के लिए, उन्होंने सुझाव दिया कि क्लब के 40-4५ सदस्यों में से प्रत्येक एक परियोजना का स्वामित्व ले और परियोजना प्रमुख के रूप में कार्य करें। उन्होंने बताया कि क्लब ने पहले ही 32 परियोजनाओं की पहचान कर ली है, जिनका प्रस्ताव क्लब के सभी सदस्यों ने रखा था और फिर ८ जुलई, 202५ को आयोजित एक बैठक में उन पर चर्चा की गई।

थाने जिला गवर्नर हर्ष मकोल ने एक संक्षिप्त और सारगर्भाजित भाषण दिया और अध्यक्ष बाँबी पिन्टो की आगामी वर्ष की योजनाओं की सराहना की। उन्होंने क्लब को सदस्यों की एक अच्छी टीम होने पर बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की। डीजी मकोल ने मजाकिया अंदाज में कहा, "रोटरी एक शौक है, और शौक महंगे होते हैं," और इस तरह उन्होंने कार्यक्रम में एक हल्का-फुल्का माहौल बनाया। उन्होंने अध्यक्ष बाँबी पिन्टो को एक नया उपनाम, "रॉबिनहुड" भी दिया और कहा, "उन्हें इस क्लब का रॉबिनहुड बने दो।" डीजी मकोल ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, अतिथियों और मित्रों को हाथ से बुने हुए क्रोशिया के गुलाब भेंट करने के लिए प्रथम महिला जोसेफिन पिन्टो की सराहना की। उन्होंने उनके बेटों, क्लिफोर्ड और सैमुअल, की भी उपस्थिति के लिए सराहना की। डीजी मकोल ने क्लब को अपने समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि जब भी जरूरत होगी, वह हमेशा मदद के लिए तैयार रहेंगे।

पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन नीलेश सोनवणे और पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन किशोर मुले के प्रयासों का विशेष उल्लेख किया गया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम किया। रोटेरियन मंगला शेवत और रोटेरियन महेश झोपे ने पंजीकरण काउंटर पर उत्कृष्ट कार्य किया और सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित किया। रोटेरियन प्रशांत बापट और वरिष्ठ प्रकरा / रोटेरियन राजेंद्र वखरे ने आयोजन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोटेरियन प्रशांत बापट ने समारोह के फेसबुक लाइव कवरेज का भी प्रबंधन किया था। कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजेश भावे ने भी मुख्य मंच की व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी संभालते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि सब कुछ सहज ढंग से व्यवस्थित हो।

सदस्यता निर्देशक रोटेरियन सिद्धि पेंडारकर ने इस वर्ष क्लब की सदस्यता संख्या में ५०३ की वृद्धि करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीआरएफ निर्देशक रोटेरियन हरीश पुजारी ने रोटरी फाउंडेशन के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करते हुए ₹ ४४०० का योगदान दिया और क्लब को 'हर रोटेरियन हर साल' क्लब बनाने का लक्ष्य रखा।

संचिवीय घोषणाओं का संचालन रोटेरियन उज्ज्वल टोम्बे ने कुशलतापूर्वक किया और धन्यवाद ज्ञापन भी दिया। अध्यक्ष बाँबी पिन्टो ने बैठक स्थगित कर दी, जिसके बाद जिला के गणमान्य व्यक्तियों, सह-अध्यक्षों, परिवार और मित्रों के साथ एक सामूहिक फोटो सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों के लिए स्वादिष्ट दोपहर के भोजन के साथ हुआ। अपनी विविध सदस्यता और विविध परियोजनाओं के साथ, डोम्बिवली विनर्स रोटरी क्लब अध्यक्ष बाँबी पिन्टो के नेतृत्व में अपने संपर्क में आने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है।

पर उत्कृष्ट कार्य किया और सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित किया। रोटेरियन प्रशांत बापट और वरिष्ठ प्रकरा / रोटेरियन राजेंद्र वखरे ने आयोजन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोटेरियन प्रशांत बापट ने समारोह के फेसबुक लाइव कवरेज का भी प्रबंधन किया था। कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजेश भावे ने भी मुख्य मंच की व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी संभालते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि सब कुछ सहज ढंग से व्यवस्थित हो।

सदस्यता निर्देशक रोटेरियन सिद्धि पेंडारकर ने इस वर्ष क्लब की सदस्यता संख्या में ५०३ की वृद्धि करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीआरएफ निर्देशक रोटेरियन हरीश पुजारी ने रोटरी फाउंडेशन के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करते हुए ₹ ४४०० का योगदान दिया और क्लब को 'हर रोटेरियन हर साल' क्लब बनाने का लक्ष्य रखा।

संचिवीय घोषणाओं का संचालन रोटेरियन उज्ज्वल टोम्बे ने कुशलतापूर्वक किया और धन्यवाद ज्ञापन भी दिया। अध्यक्ष बाँबी पिन्टो ने बैठक स्थगित कर दी, जिसके बाद जिला के गणमान्य व्यक्तियों, सह-अध्यक्षों, परिवार और मित्रों के साथ एक सामूहिक फोटो सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों के लिए स्वादिष्ट दोपहर के भोजन के साथ हुआ। अपनी विविध सदस्यता और विविध परियोजनाओं के साथ, डोम्बिवली विनर्स रोटरी क्लब अध्यक्ष बाँबी पिन्टो के नेतृत्व में अपने संपर्क में आने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है।

सदस्यता निर्देशक रोटेरियन सिद्धि पेंडारकर ने इस वर्ष क्लब की सदस्यता संख्या में ५०३ की वृद्धि करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीआरएफ निर्देशक रोटेरियन हरीश पुजारी ने रोटरी फाउंडेशन के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करते हुए ₹ ४४०० का योगदान दिया और क्लब को 'हर रोटेरियन हर साल' क्लब बनाने का लक्ष्य रखा।

सदस्यता निर्देशक रोटेरियन सिद्धि पेंडारकर ने इस वर्ष क्लब की सदस्यता संख्या में ५०३ की वृद्धि करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीआरएफ निर्देशक रोटेरियन हरीश पुजारी ने रोटरी फाउंडेशन के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करते हुए ₹ ४४०० का योगदान दिया और क्लब को 'हर रोटेरियन हर साल' क्लब बनाने का लक्ष्य रखा।

सदस्यता निर्देशक रोटेरियन सिद्धि पेंडारकर ने इस वर्ष क्लब की सदस्यता संख्या में ५०३ की वृद्धि करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीआरएफ निर्देशक रोटेरियन हरीश पुजारी ने रोटरी फाउंडेशन के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करते हुए ₹ ४४०० का योगदान दिया और क्लब को 'हर रोटेरियन हर साल' क्लब बनाने का लक्ष्य रखा।

सदस्यता निर्देशक रोटेरियन सिद्धि पेंडारकर ने इस वर्ष क्लब की सदस्यता संख्या में ५०३ की वृद्धि करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीआरएफ निर्देशक रोटेरियन हरीश पुजारी ने रोटरी फाउंडेशन के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करते हुए ₹ ४४०० का योगदान दिया और क्लब को 'हर रोटेरियन हर साल' क्लब बनाने का लक्ष्य रखा।

तब्बल ४ कोटीचा महाघोटाळा

तब्बल १०० हून अधिक कुटुंब कंगाल !

क्राईम बॉर्डर न्यूज (ठाणे) : अनेषण घोटाळाप्रकरणी ठाणे आर्थिक गुन्हे अन्वेषण शाखेचे चार मुख्य आरोपींना अटक केली आहे. तर अन्य चार आरोपींना शोध अद्याप सुरू आहे. या प्रकरणी फसवणुकीची एकूण रक्कम ४ ते ५ कोटी रुपयांपर्यंत पोहोचल्याची माहिती समोर आली आहे. जास्त आणि आकर्षक पत्राव्याचे प्रकरणचा अखेर पर्दाफाश झाला आहे. या प्रकरणी अटक करण्यात आलेल्या आरोपींची नावे आहेत. आमिषाला बळी पडू नका, पोलिसांचे आवाहन-अटक केलेल्या आरोपींना कल्याण न्यायालयात हजर करण्यात आले. न्यायालयाने आरोपींना ६ ऑक्टोबरपर्यंत पोलीस कोठडी सुनावली. पोलीस कोठडीदरम्यान आरोपीकडून घोटाळातील रकमेचा तपशील, ती कुटुंबीय व पोलीस किंवा वळवली गेली याचा तपस केला जाईल. अद्याप या घोटाळातील अन्य चार आरोपी फरार आहेत. आर्थिक गुन्हे अन्वेषण शाखेच्या टीमस त्यांचा कसून शोध घेत आहे. पोलिसांकडून गुंतवणूकदारांना अशा जास्त परताव्याच्या आमिषाला बळी न पडण्याचे आवाहन करण्यात आले आहे. या घोटाळ्यामुळे डोंबिवलीतील अनेक सामान्य व मध्यमवर्गीय कुटुंबांना आर्थिक फटका बसला आहे. ★★

रक्कम आणि कोणताही परतावा देणे पूर्णपणे थांबवले. गुंतवणूकदारांची फसवणूक मोठ्या प्रमाणावर झाल्याने या संदर्भात डोंबिवली पोलीस ठाण्यात सुमारे ८० हून अधिक तक्रारी दाखल झाल्या होत्या. फसवणुकीची रक्कम कोट्यवधींच्या बरात गेल्याने या गुन्हाचा तपस टाणेकडे वर करण्यात आला. आर्थिक गुन्हे अन्वेषण शाखेच्या टीमने तांत्रिक आणि भौतिक पुराव्यांच्या आधारे तपास करून या चार मुख्य आरोपींना अटक केली. गौरव भागत, विकीन पाटणे, देवेंद्र तांबे आणि अमोल तांडे अशी या आरोपींचा अटक करण्यात आलेल्या आरोपींची नावे आहेत. आमिषाला बळी पडू नका, पोलिसांचे आवाहन-अटक केलेल्या आरोपींना कल्याण न्यायालयात हजर करण्यात आले. न्यायालयाने आरोपींना ६ ऑक्टोबरपर्यंत पोलीस कोठडी सुनावली. पोलीस कोठडीदरम्यान आरोपीकडून घोटाळातील रकमेचा तपशील, ती कुटुंबीय व पोलीस किंवा वळवली गेली याचा तपस केला जाईल. अद्याप या घोटाळातील अन्य चार आरोपी फरार आहेत. आर्थिक गुन्हे अन्वेषण शाखेच्या टीमस त्यांचा कसून शोध घेत आहे. पोलिसांकडून गुंतवणूकदारांना अशा जास्त परताव्याच्या आमिषाला बळी न पडण्याचे आवाहन करण्यात आले आहे. या घोटाळ्यामुळे डोंबिवलीतील अनेक सामान्य व मध्यमवर्गीय कुटुंबांना आर्थिक फटका बसला आहे. ★★

फकीरबा नेहार यांची क्राईम बॉर्डरच्या महाराष्ट्र राज्य प्रतिनिधी पदी नियुक्ती

क्राईम बॉर्डर न्यूज (डोंबिवली) : पोलीस व गुन्हेगारी जगताची बिंबातमी देणारे क्राईम बॉर्डरच्या महाराष्ट्र राज्य प्रतिनिधी पदावर नुकतीच डोंबिवली येथील फकीरबा नेहार यांची मानसोबी नियुक्ती नुकतीच मुख्य संपादक राजेंद्र वखरे यांनी जाहीर केली आहे. फकीरबा नेहार हे क्राईम बॉर्डर परिवारामध्ये मागील ८ वर्षांपासून मानसोबी कार्यरत आहे. त्यांचे कार्य पाहून त्यांची क्राईम बॉर्डरच्या संपादकीय विभागात पुन्हा जाहीर नियुक्ती केली आहे. त्यांना सामाजिक, सांस्कृतिक व अर्थव्यवस्था, जनसेवेची आवड असून त्यांना क्राईम बॉर्डर व पावन भूमी चॅरिटेबल ट्रस्ट तसेच क्राईम रिपोर्टर वेलफेअर असोसिएशन (एनजीओ) च्या माध्यमातून सामाजिक कार्य करायचे आहे. त्यांच्या या निवडीने आपत मित्रपरिवार व सर्व स्तरातून त्यांचे अभिनंदन होत आहे.

शुभम कानसकर यांची क्राईम बॉर्डर च्या ठाणे/मुंबई प्रतिनिधी पदी नियुक्ती

क्राईम बॉर्डर न्यूज (डोंबिवली) : पोलीस व गुन्हेगारी जगताची बिंबातमी देणारे क्राईम बॉर्डर च्या ठाणे/मुंबई प्रतिनिधी पदावर नुकतीच डोंबिवली येथील शुभम कानसकर यांची नियुक्ती मुख्य संपादक राजेंद्र वखरे यांनी जाहीर केली आहे. शुभम कानसकर हे क्राईम बॉर्डर परिवारामध्ये सन २०२१ पासून कार्यरत असून त्यांचे कार्य पाहून त्यांची क्राईम बॉर्डरच्या संपादकीय विभागात नियुक्ती केली आहे. शुभम कानसकर यांना सामाजिक व अध्यात्मिक जनसेवेची आवड असून त्यांना क्राईम बॉर्डर व पावन भूमी चॅरिटेबल ट्रस्ट तसेच क्राईम रिपोर्टर वेलफेअर असोसिएशन (एनजीओ) च्या माध्यमातून सामाजिक कार्य करायचे आहे. त्यांच्या या निवडीने आपत मित्रपरिवार व सर्व स्तरातून त्यांचे अभिनंदन होत आहे.

वाताहर नियुक्त करणे आहे !

पोलीस व गुन्हेगारी जगताची बिंबातमी देणारे क्राईम बॉर्डर च्या महाराष्ट्र राज्यातील प्रत्येक जिल्ह्याच्या ठिकाणी जिल्हा प्रतिनिधी व तालुका प्रतिनिधी पदावर तसेच क्राईम रिपोर्टर नियुक्त करावयाचे आहे. अनुभवी व बिना अनुभवी उमेदवारांनी तात्काळ अर्ज करावेत नियुक्त करण्यात आलेल्या प्रतिनिधींना प्रशिक्षण सक्तीचे असेल. संपर्क - ९६१९६३००३५ / ९९८७४९६३६

संपादकीय...

राजेंद्र वखरे

क्राईम बॉर्डर
संपादक

सोशल मीडिया व त्याचा अतिरेक !



शैली : प्रकाशितेची, विवेचनात्मक

सोशल मीडिया व त्याचा अतिरेक : आभासी जगात हरवलेलं वास्तव



आजचा माणूस दिवसाची सुरुवात मोबाइलच्या स्क्रीनकडे पाहून करतो आणि दिवसाचा शेवट त्याच स्क्रीनच्या प्रकाशात करतो. झोपण्यापूर्वीचा अखेरचा संवाद "गुडनाईट" नसून "लास्ट सीन अँट" असा झाला आहे. आधुनिक तंत्रज्ञानाच्या वेगवान लाटेत सोशल मीडिया हे संवादाचे सर्वात प्रभावी माध्यम ठरले आहे. पण या संवादाच्या महत्सागरात आपण नक्की पोहत आहोत की बुडत आहोत, हा प्रश्न विचारण्याची वेळ आता आली आहे.

डिजिटल युगातील नवे वास्तव

फेसबुक, इन्स्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर), व्हॉट्सअॅप - या प्लॅटफॉर्मंनी जगाला एका क्लिकवर आपणू नेवलं. माहिती मिळवणे, विचार मांडणे, व्यवसाय वाढवणे, कला सादर करणे - सगळं काही शक्य झालं. सोशल मीडियाने सर्वसाधारण माणसांलाही आपला आवाज दिला. पण जसजसा हा आवाज वाढला, तसतसं त्यात कोलहलही वाढला.

आज माणूस 'ऑनलाइन' आहे, पण संवाद 'ऑफलाइन' झालाय. आभासी नात्यांच्या गर्दीत खरी माणुसकी हरवत चालली आहे.

संपर्क वाढला, पण संवाद हरवला
पूर्वी लोक पत्र लिहायचे, भेटायचे, बोलायचे. आता संदेश "Seen" होतो पण समजला जात नाही.

शेकडो मिनिटांच्या यादीत खरा मित्र सापडत नाही.
सोशल मीडियाने माणसाला जोडले, पण मानांना तोडले.

लार्किंग, शेअर, फॉलोअर्स आणि सबस्क्रायबर्स - हे नवे मोजमाप झाले आहेत नात्यांचे आणि आत्ममूल्याचे.

एकेकाळी "लोक काय म्हणतील" हा प्रश्न होता, आता "लोक किती लाईक करतील ?" हा झाला आहे.

मानसिक आरोग्यावर परिणाम
संशोधन सांगतं की सोशल मीडियाचा अतिरेक हा मानसिक आरोग्यासाठी गंभीर धोका आहे.

दिवसभर स्क्रील करत राहण्याची सवय, सतत इतरांच्या जीवनाशी तुलना, आणि परिपूर्णतेचा दिव्याला यामुळे घिता, नैराश्य, आत्मविश्वासचा वापर वातो.

'लाईवर्स' ची संख्या म्हणजे आत्ममूल्य ठरवणारी नवी पिढी तयार होत आहे.
अनेक तरेण आणि विद्रोहात्म्ये "सोशल मीडिया अन्व्हायटी" हा शब्द आता वैद्यकीय संज्ञा बनतो आहे.

शारीरिक त्रास आणि जीवनशैलीतील बदल
रात्री उशिरापर्यंत फोन वापरण्यामुळे झोपेचा अभाव, डोळ्यांचा ताण, आणि मेंदूचा थकवा निर्माण होतो. सततच्या स्क्रीनकडे पाहण्यामुळे मेंदूवर ताण पडतो, आणि लक्ष केंद्रीकरणची क्षमता कमी होते.

शारीरिक हालचाल कमी झाल्याने स्थूलता, थकवा आणि एकंदरीत आरोग्यावर नकारात्मक परिणाम दिसतो. अनेक वेळा "मी थोडावेळ पाहतो" म्हणत सुरू झालेला स्क्रील तासभर थांबत नाही - हीच अतिरेकाची सवय बनते. अफवांचा बाजार आणि सामाजिक असंतुलन. सोशल मीडियाचा सर्वात धोकादायक पैलू म्हणजे चुकीच्या माहितीचा प्रसार. एका व्ह्यारल पोस्टने समाजात भीती, द्वेष आणि गोंधळ पसरतो. अनेकदा राजकीय आणि धार्मिक हेतूसाठीही याचा गैरवापर होतो.

सोशल मीडियाचा प्रभाव आणि अतिरेकाची वेदना
आजच्या डिजिटल युगात सोशल मीडिया हे आमच्या दैनंदिन जीवनाचा अविभाज्य भाग बनले आहे. फेसबुक, इन्स्टाग्राम, ट्विटर, व्हॉट्सअॅप यासारख्या प्लॅटफॉर्मवर लोक संवाद साधतात, माहिती मिळवतात आणि मनोरंजन करतात. परंतु, याचा अतिरेक अनेक समस्यांना जन्म देतो - मानसिक ताण, वेळेची हानी, सामाजिक नात्यांमध्ये गळती आणि वैयक्तिक आयुष्यातील असंतुलन. सोशल मीडिया योग्य प्रकारे वापरणे ही काळाची गरज बनली आहे, नाहीतर डिजिटल क्रांतीचा फायदा हानीमध्ये बदलू शकतो.

'फेक न्यूज' आणि 'ट्रोलिंग' ही नवी शब्द बनली आहेत - ज्यांचा वापर विनाशकारी प्रमाणात होत आहे. माणूस आता वाचत नाही, तर फक्त फॉरवर्ड करतो. विचार न करता शेअर केलं जातं, आणि तेच वास्तव मानलं जातं.

सकारात्मक बनूही आहे - तथापि, सोशल मीडियाचा वापर सर्वसर्वी नकारात्मक नाही. याच माध्यमांमुळे अनेकांना ओळख, व्यवसाय आणि प्रेरणा मिळाली आहे. कोविड काळात सोशल मीडियाने माहिती, मदत आणि एकमेकांना आधार देण्याचं महत्त्व सिद्ध केलं. यूट्यूब आणि ऑनलाइन प्लॅटफॉर्मंनी अनेकांना कौशल्ये दाखवण्याची संधी दिली. मात्र फरक इतकाच की, साधन आणि व्यसन यातली सीमा आपण विस्तार चाललो आहोत. अतिरेक थांबवण्यासाठी सजगतेची गरज -

सोशल मीडिया पूर्णपणे सोडणं अवघड आहे, पण त्यावर नियंत्रण ठेवणं शक्य आहे. दिवसातून उराविक वेळाच वापरणं, झोपण्यापूर्वी फोन टाळणं, नोटिफिकेशन मर्यादित ठेवणं - या छोटीय सवयी मोठा फरक करू शकतात. माहिती शेअर करण्यापूर्वी तिथं सत्य पडताळणं ही प्रत्येक वापरकर्त्याची जबाबदारी आहे. आभासी जगात वावरताना वास्तवाशी जोडलेलं राहणं हेच खऱ्या अर्थाने "डिजिटल साक्षरता" आहे.

पाहणे आणि समाजाची भूमिका -

क्रिश्चियन मुलांमध्ये सोशल मीडियाचे आकर्षण सर्वाधिक आहे.

पालकांनी मुलांशी संवाद ठेवावा, आणि त्यांना वेळेचे भान शिकवावं.

शाळांनीही "डिजिटल साक्षरता" हा विषय प्रत्यक्ष शिक्षणात आणवा.

कारण सोशल मीडिया हा फक्त तांत्रिक विषय नाही, तो आता सामाजिक संस्कृतीचा भाग झाला आहे.

त्यामुळे जबाबदारीची जाणीव निर्माण करणे ही पालक, शिक्षक आणि समाज यांची संयुक्त जबाबदारी आहे.

संपर्क आणि अतिरेक यांच्यातील बारीक रेषा - सोशल मीडिया आपल्याला जगाशी जोडतं, पण त्याचा अतिरेक आपल्यालाच आपल्यापासून दूर नेत असतो.

"कनेक्टेड" राहण्याच्या नादात आपण स्वतःशीचा संवाद हरवतो.

प्रत्यक्ष भेटण्याऐवजी आपण "स्टोरी व्ह्यू" बघतो, आणि "रिल्स"मध्ये वास्तव शोधतो.

संपर्क साधा, पण तो मानवी असावा; आभासी नव्हे.

निकर्म : सगळं वापराचं महत्त्व सोशल मीडिया हे आधुनिक युगाचं सामर्थ्य आहे. त्याने जण बदललं, विचारांना दिशा दिली, आणि अनेक आवाजांना व्यासपीठ दिलं. पण या शक्तीचं रूपांतर विनाशात होऊ नये, यासाठी विवेक, संयम आणि सजगता आवश्यक आहे. सोशल मीडिया वापरणं चुकीचं नाही; पण तो आपल्या वेळेवर, विचारांवर आणि जीवनावर अक्षिराज्य गाजवू लागला, की तो अतिरेक उठतो. आपल्याला उठावचं आहे -

कारण सोशल मीडियाचा वापर करतो की सोशल मीडिया आपला वापर करतं ? आपण शेवटी - संपर्क राखा, पण स्वतःपासून दूर नका.

महाराष्ट्रात विमानांचं पार्किंग हब होणार !

विमानतळांवर विमानांची आवक-जावक मर्यादित असल्याने ही विमानतळे खर्चिक ठरतयं. या समस्येवर उपाय म्हणून सरकारने विमानतळांना इंटरलॉक करून तिथं विमान पार्किंग हब तयार करण्याचं नियोजन केलंय.

क्राईम बॉर्डर न्यूज मुंबई :

महत्वाकांक्षी योजनेच्या माध्यमातून राज्यातील विमान वाहतूक क्षेत्रात क्रांती घडवण्याच्या तयारीत आहे. राज्याच्या अनेक छोटेय विमानतळांवर विमानांची आवक-जावक मर्यादित असल्याने ही विमानतळे खर्चिक ठरत आहेत. या समस्येवर उपाय म्हणून सरकारने या विमानतळांना इंटरलॉक करून तिथं विमान पार्किंग हब तयार करण्याचं नियोजन केलंय. यामुळे केवळ विमानतळांचा कार्यक्षम वापर होणार नाही, तर विमान कंपन्यांचा खर्च कमी होऊन स्थानिक अर्थव्यवस्थेला चालना मिळेल. नेमकी ही योजना काय आहे, तिची अंमलबजावणी कशी केली जाईल, तिचा फायदा काय ? याविषयी सविस्तर आढावा. मुंबई आणि दिल्लीसारख्या मोठ्या विमानतळांवर जागेची कमतरता भासत आहे. यामुळे विमान कंपन्यांना त्यांची विमान पार्किंगसाठी इतरत्र पाठवावी लागतात, ज्यामुळे इंधन खर्चात २० ते ३० टक्के वाढ आणि वेळेचा अपव्यय होतो. उदाहरणार्थ, मुंबई विमानतळावर पार्किंग शुल्क प्रति मेट्रिक टन प्रति तास ७.८८ रुपये (रिमोट रॅन्ड) ते ३६ रुपये (कॉन्टॅक्ट रॅन्ड) आहे. यामुळे एका बोईंग ७३७ (८०) विमानासाठी रात्रभर पार्किंगचा खर्च १० हजार ते २० हजार रुपये होतो. दिल्ली विमानतळावरही समान दर आकारले जातात, ज्यामुळे विमान कंपन्यांवर आर्थिक भार पडतो. या पार्श्वभूमीवर अहमदाबाद आणि गोव्यासारख्या राज्यांनी पार्किंग हब विकसित करून व्यावसायिक संधी निर्माण केल्या आहेत. आता महाराष्ट्रही याच दिशेने पावले टाकत आहे.

अजित पवारानी घेतली बैठक : राज्य सरकारच्या अखत्यारीतील विमानतळांवर पार्किंग हब विकसित करण्यासाठी नियोजन सुरू आहे. यामध्ये शिर्डी, बारामती, यवतगाव, धाराशिव, लातूर आणि नांदेड यांसारख्या विमानतळांचा समावेश आहे. या विमानतळांवर नाईट लॉइंग सुविधा विकसित करण्यावर विशेष भर दिला जात आहे, ज्यामुळे विमानतळांचा २४ तास वापर शक्य होईल. उपमुख्यमंत्री अजित पवार

यांनी नुकतीच यासंदर्भात एक महत्त्वपूर्ण बैठक घेतली, ज्यामध्ये रत्नेवर लायटिंग सिस्टीम, रडार सुविधा आणि इतर सुरक्षा उपायांचा समावेश असलेल्या तांत्रिक आणि पायाभूत सुविधांच्या उभारणीबाबत चर्चा झाली. केंद्र सरकार आणि खासगी विमान कंपन्यांशी समन्वय साधून ही योजना लवकरात लवकर प्रत्यक्षात आणण्याचे निर्देश त्यांनी दिले आहेत.

या योजनेचा व्यावसायिक आणि पर्यटन क्षेत्राला मोठा फायदा होईल. विमान कंपन्यांचा पार्किंग खर्च २० ते ३० टक्क्यांनी कमी होईल, ज्यामुळे नवीन मार्ग सुरू करण्यासाठी त्यांना प्रोत्साहन मिळेल. याशिवाय शिर्डी आणि नांदेडसारख्या धार्मिक स्थळांना भेट देणाऱ्या पर्यटकांसाठी आधुनिक सुविधा उपलब्ध होतील. यवतगाव, धाराशिव आणि लातूरसारख्या छोटेय शहरांमधील विमानतळांचा विकास स्थानिक अर्थव्यवस्थेला बळ देईल. यामुळे जवळपास १० हजारांहून अधिक रोजगार संधी निर्माण होतील आणि स्थानिक व्यवसायांना प्रोत्साहन मिळेल. तसेच कार्गो वाहतूकीत वाढ झाल्यास उद्योगांना फायदा होईल, अशी माहिती महाराष्ट्र विमानतळ विकास प्राधिकरणातील एका वरिष्ठ अधिकार्याने दिली. विमान वाहतूक क्षेत्रात १०० टक्के परकीय गुंतवणुकीला प्रोत्साहन असल्याने, या योजनेमुळे परकीय गुंतवणूक वाढण्याची शक्यता आहे. यामुळे आधुनिक पायाभूत सुविधा, तंत्रज्ञान हस्तांतरण आणि आर्थिक विकासासाठी चालना मिळेल.

सध्या मुंबईतील विमाने प्रामुख्याने अहमदाबाद, नागपूर आणि गोवा येथे पार्किंगसाठी पाठवली जातात. नागपूरचे मिहान क्षेत्र १०० विमानांची पार्किंग क्षमता असलेले आहे, तर पुण्यातील विमाने छत्रपती संभाजीनगर किंवा इतर जवळील विमानतळांवर डाकवट होतात. या योजनेमुळे महाराष्ट्रातील विमानतळांची पार्किंग क्षमता दुप्पट होईल. ज्यामुळे दिल्ली आणि



मुंबईवरील भार कमी होईल. ...तर महाराष्ट्र विमान वाहतूकीचं महत्वाचं हब बनेल : याविषयी हवाई वाहतूक तज्ज्ञ आणि एअरपोर्ट ऑथोरिटीचे माजी अधिकारी नितीन जाधव म्हणाले, "महाराष्ट्र सरकारच्या या योजनेमुळे राज्य विमान वाहतूक क्षेत्रात एक अग्रणी केंद्र म्हणून उदयास येईल. ही योजना यशस्वी झाल्यास महाराष्ट्र देशातील विमान वाहतूकचे महत्वाचं हब बनू शकेल. शिवाय आर्थिक विकास, पर्यटन आणि स्थानिक उद्योगांना नवीन संधी उपलब्ध होतील", अशी त्यांनी त्यांनी दिली.

उद्योग, गुंतवणूक आणि पर्यटन क्षेत्राला चालना मिळेल - अजित पवार : याविषयी उपमुख्यमंत्री अजित पवार म्हणाले, बारामती विमानतळावर नाईट लॉइंग हब कंपाऊंड आणि धावपट्टी विकासाबाबत महत्त्वपूर्ण बैठक घेतली. याबरोबरच यवतगाव, धाराशिव, लातूर आणि नांदेड विमानतळांवरही नाईट लॉइंग सुविधा सुरू करण्यासंदर्भात सविस्तर चर्चा करण्यात आली. महाराष्ट्र विमानतळ विकास कंपनीनं एअरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडियासमवेत सर्वेक्षण करून विकासासंदर्भात कार्यवाही करावी आणि विमानतळ पत्रासाठी संभाव्य खर्चाचं अंदाज पत्रक तयार करावा, अशा सूचना केल्या. या निर्णयांमुळे बारामती विमानतळावर राज्यातील इतर विमानतळांच्या विकासाला गती मिळणार असून, उद्योग, गुंतवणूक व पर्यटन क्षेत्राला मोठी चालना मिळेल, असा विश्वास अजित पवार यांनी व्यक्त केला.

सकाळी हे 'सृष्टी' पाणी प्यायल्याने, पिंपल्सच्या समस्या होतील दूर !

प्रत्येकाला त्याचा उजळायची असते, परंतु ती उजळण्याचा सर्वोत्तम मार्ग कोणता काळा माहित नसतो. जर तुम्हालाही कमी वेळोच चमकदार आणि निंदीय त्वचा मिळवायची असेल तर हा लेख तुमच्यासाठी फायदेशीर ठरू शकतो. अशा प्रकारे, आपण घरी बसून विनामूल्य आपल्या त्वचेचा टोन सुधारण्यास सक्षम असाल.

चला तर मग याबद्दल सविस्तर जाणून घेऊया.

आजच्या काळात आपल्या सर्वांचा मनात एक न बोलता सौंदर्याचा मापदंड बसला आहे. आपल्या मते सुंदर आणि सुंदर व्यक्ती तीच असते ज्याचा रंग तेजस्वी आणि स्वच्छ असतो. बरं, यात काही तथ्य नाही. प्रत्येक जण आपापल्या जागी सुंदर असतो, पण तुम्ही म्हणाल की या ज्ञानाचेक गोष्टी फक्त बीएस वाचण्यात चांगल्या असतात. जमिनीवरील वास्तविकी त्यांचा काहीही संबंध नाही आणि वरिष्ठ सोम्याचे तर हे देखील खरे आहे की प्रत्येक रंगाचे लोक सुंदर आहेत असे आपण कितीही सांगितले तरी त्यांचा सध्यापासून दूर कोणताही संबंध राहणार नाही. हे खरे आणि सत्य आहे, परंतु आपल्याला असा विश्वास ठेवावा लागेल की आपण कधीही सरळ जाऊ शकत नाही आणि त्वचेचा टोन सुधारू शकत नाही.

यासाठी आपल्याला प्रथम आपली त्वचा निरोगी बनवावी लागेल. जर तुम्ही सध्या शब्दांत स्पष्ट करू की, जर तुमच्या चेहऱ्या पुराऊ होतंय त्यामुळे पुटपुट्यांनी भरलेला असेल तर या वेह्यावर फेअरनेस क्रोम लावल्याने तुम्हाला कोणताही फायदा होणार नाही, परंतु तुमची त्वचा अधिक मजबूत होईल. अशा परिस्थितीत, आपल्याला आपल्या त्वचेला बरे होण्यासाठी वेळ द्यावा लागेल. आता तुम्ही म्हणाल की त्वचा कशी बरी होईल ? हा एक अतिशय चांगला प्रश्न आहे, चला तर मग जाणून घेऊया उत्तर.

होय, आपल्याला आतून काळजी घ्यावी लागेल तसेच आपल्या त्वचेवर वरकचा उपपानांचा थर लावावा लागेल. आता हा विषय येतो की उल्पादनांच्या धर्ताही आणि यादृच्छिक काहीही वापरू शकत नाही. नुसतं पाहून काहीही घ्यावं. त्याच वेळी, त्वचेच्या अंतर्गत उल्पादनांचा प्रश्न आहे, आपण नैसर्गिक डिटॉक्स ड्रिंकचे सेवन करू शकता. हे पेय प्यायल्याने तुम्हाला मुरुम येणार

नाहीत, सूज कमी होईल आणि तुमची त्वचाही आतून दुस्तरी होऊ लागेल. प्रसिद्ध कंटेन्ट क्रिएटर



रचिता घाग यांनी आपल्या इन्स्टाग्राम व्हिडिओमध्ये हे ड्रिंक बनवण्याची माहिती दिली आहे. चला तर मग जाणून घेऊया याबद्दल सविस्तर जाणून घेऊया.

१ टीस्पून बडीशेप, १ टीस्पून जिरे, १ टीस्पून अजवाइन, २ ग्लास पाणी, चिमूटभर काळे मीठ

हे पेय तयार करण्यासाठी, आपल्याला सर्व

विषयाणे २ ग्लास पाण्यात ओतणे आवश्यक आहे.

आता हे पाणी उकळी आणा आणि मंद आचेवर

५-१० मिनिट सिजवा.

त्यानंतर पाणी गाळून घ्या. आता त्यात काळे

मीठ घाला आणि रात्री गरम घ्या.

त्वचेचा फायदे - हे पेय प्यायल्याने मुरुम आणि

मुरुम कमी होतील.

शरीर डिटॉक्स होईल.शरीराची सूज कमी

होईल.नैसर्गिक चमक वाढेल.

निरोगी त्वचेसाठी पचनक्रिया सुधारेल. आता

जाणून घेऊया सामग्रीचे फायदे.

इटरनेटवरील माहितीनुसार, बडीशेप शरीरातून

विषारी पदार्थ बाहेर टाकण्यास मदत करते. यामुळे

त्वचा स्वच्छ आणि चमकदार बनते. बडीशेपमध्ये

असलेले अँटीऑक्सिडंट्स त्वचेतील वृद्धत्वाची

चिन्हे लापविण्यास मदत करतात. त्याच वेळी,

दात पिवळे का होतात ?

दात एकदा खराब झाले की त्यामुळे होणारा त्रास फारच वेदनादायी असतो. हा त्रास कधीकधी असह्य होतो. त्यामुळेच दातांची योग्य निगा राखणे फार गरजेचे असते. अनेकदा जीवनस्वाचाच्या कमतरतेमुळे दात खराब होतात.

दात एकदा खराब झाले की त्यामुळे होणारा त्रास फारच वेदनादायी असतो. हा त्रास कधीकधी असह्य होतो. त्यामुळेच दातांची योग्य निगा राखणे फार गरजेचे असते. अनेकदा जीवनस्वाचाच्या कमतरतेमुळे दात खराब होतात.



होतात.

दात पिवळे पडण्याची समस्या तर अनेकांचा पिच्छा सोडत नाही. एकदा दात पिवळे व्हायला लागले की ते विचित्र दिसायला लागतात. त्यामुळेच दात पिवळे का होतात, असे नेहमीच विचारले जाते. दात पिवळे होण्याचा संबंध हा ड जीवनसत्त्वाशी आहे.

दात पिवळे पडण्याची समस्या तर अनेकांचा पिच्छा सोडत नाही. एकदा दात पिवळे व्हायला लागले की ते विचित्र दिसायला लागतात. त्यामुळेच दात पिवळे का होतात, असे नेहमीच विचारले जाते. दात पिवळे होण्याचा संबंध हा ड जीवनसत्त्वाशी आहे.

तुमच्या शरीरात ड जीवनसत्त्वाची कमतरता असेल तर दात पिवळे होऊ शकतात. ड जीवनसत्त्वाच्या कमतरतेमुळे दातांचे इन्मलही कमी कमजोर होऊ शकते. इन्मल कमी झाल्यामुळेच दाताच्या मुळाशी असलेले पिवळे डेंटिन जास्त दिसायला लागते आणि दातांचा पिवळा रंग दिसायला लागतो.

तुमच्या शरीरात ड जीवनसत्त्वाची कमतरता असेल तर दात पिवळे होऊ शकतात. ड जीवनसत्त्वाच्या कमतरतेमुळे दातांचे इन्मलही कमी कमजोर होऊ शकते. इन्मल कमी झाल्यामुळेच दाताच्या मुळाशी असलेले पिवळे डेंटिन जास्त दिसायला लागते आणि दातांचा पिवळा रंग दिसायला लागतो.

ड जीवनसत्त्वाची कमतरता भासल्यास दूध आणि दही प्यायला हवे. यात ड जीवनसत्त्वाचे प्रमाण जास्त असते. ड जीवनसत्त्व हवे असेल तर तुम्ही मासेही खाऊ शकता. पलक, मशरूम खाल्ल्याने ड जीवनसत्त्व मिळते.

ड जीवनसत्त्वाची कमतरता भासल्यास दूध आणि दही प्यायला हवे. यात ड जीवनसत्त्वाचे प्रमाण जास्त असते. ड जीवनसत्त्व हवे असेल तर तुम्ही मासेही खाऊ शकता. पलक, मशरूम खाल्ल्याने ड जीवनसत्त्व मिळते.

सणासुदीच्या काळात केंद्राकडून एक आगाऊ हप्ता म्हणून महाराष्ट्राला ६ हजार ४१८ कोटी

उपमुख्यमंत्री अजित पवार यांच्याकडून पंतप्रधान आणि केंद्रीय वित्तमंत्र्यांचे आभार

क्राइम बॉर्डर न्यूज (मुंबई) : केंद्र सरकारने राज्य सरकारंना करचे अमीम हस्तांतरण केले असून त्यापैकी महाराष्ट्राला ६ हजार ४१८ कोटी रुपये प्राप्त झाले आहेत. हे हस्तांतरण १० ऑक्टोबर २०२५ रोजी होणाऱ्या सामान्य मासिक हस्तांतरणाव्यतिरिक्त आहे. या निर्णयबद्दल

उपमुख्यमंत्री तथा वित्त व नियोजन मंत्री अजित पवार यांनी पंतप्रधान नरेंद्र मोदी व केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन यांचे आभार मानले आहेत. सणासुदीच्या हंगामाच्या



दृष्टीने आणि राज्याला भांडवली खर्च वाढवण्यास सक्षम करण्यासाठी तसेच आपल्या कल्याणकारी व विकास योजनेला वित्तपुरवठा व विकासासाठी या रकमेचा राज्याला निश्चित उपयोग होईल, असा विश्वास उपमुख्यमंत्री पवार यांनी व्यक्त केला आहे.

पारनेर - सुपा औद्योगिक वसाहतीच्या विकासासाठी प्रशासनाने सहकार्य करावे

क्राइम बॉर्डर न्यूज (अहिल्यानगर) : राज्यातील उद्योग क्षेत्राचा जास्तीत जास्त विकास करून रोजगार निर्मितीला शासन प्राधान्य देत आहे. उद्योजकांना संरक्षण देणे हे शासनाचे कर्तव्य असून, पारनेर - सुपा औद्योगिक वसाहतीच्या विकासासाठी प्रशासनाने उद्योजकांना सर्वोत्तमरी सहकार्य करावे, असे निर्देश उपमुख्यमंत्री अजित पवार यांनी दिले. उद्योजकांनी कुठल्याही दबावाला बळी न पडता आपले काम करण्याचे आवाहन त्यांनी केले.

उपमुख्यमंत्री पवार हे पारनेर येथील शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थेत पारनेर - सुपा औद्योगिक वसाहतीमधील विविध विषयांसंबंधी आयोजित आढावा बैठकीत बोलत होते.

बैठकीस आमदार काशीनाथ दाते, जिल्हाधिकारी डॉ. पंकज आशिषा, जिल्हा पोलीस अधीक्षक सोमनाथ घागे, जिल्हा परिषदेचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद डंढारी, औद्योगिक विकास महामंडळाचे विभागीय अधिकारी गणेश राठोड, जिल्हा उद्योग केंद्राचे उद्योग अधिकारी अशोक बेनके, जिल्हा व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण अधिकारी सुनील शिंदे, कौशल्य विकास विभागाचे सामर्थ्यक आयुक्त रविकुमार पंतम आदी उपस्थित होते.

उपमुख्यमंत्री पवार म्हणाले, उद्योगासाठी शासनाने नेहमीच समरतात्त्विक धोरण राहिले आहे. पारनेर - सुपा औद्योगिक क्षेत्रातील उद्योजकांना कुठल्याही प्रकारचा त्रास होणार नाही, याची पोलीस प्रशासनाने काळजी घ्यावी. उद्योजकांना वेढीस धरून दबाव टाकण्याचाय काठोर कारवाई करण्यात यावी. औद्योगिक वसाहतीमध्ये कायदा व सुव्यवस्था अबाधित राहील, यासाठी पोलीस विभागाने अधिक कार्यक्षम व दक्षतेने काम करावे. उद्योग टिकून राहिले तर यासाठी उद्योजकांनीही कामगारंना उद्योगामध्ये सामावून घेण्याचे आवाहन केले.

सुपा - पारनेर औद्योगिक क्षेत्रात वीज पुरवठा सातत्याने

खंडित होत असल्यामुळे उद्योजकांना मोठे आर्थिक नुकसान होत आहे. या तक्रारीवर तातडीने उपाययोजना करून उद्योगक्षेत्राला अखंडित वीज पुरवठा तसेच पाणी पुरवठा सुनिश्चित केला जावा. औद्योगिक क्षेत्रात कामगार महिलांच्या सुरक्षिततेच्या दृष्टीने पोलीस विभागाने साध्या वेषातील पोलिसांमार्फत मस्त वाढवावी. उद्योगांनी सीसीटीव्ही यंत्रणा बसवावी. तसेच, औद्योगिक क्षेत्रात प्रदूषणमुक्त वातावरण राखले जावे आणि नागरिकांचे आरोग्य सुरक्षित राहावे, यासाठी उद्योगांनी खबरदारी घेण्यास निर्देशही त्यांनी दिले.

कौशल्यवर आधारित प्रशिक्षणाला अधिक महत्त्व दिले जात असून, कौशल्य विकास विभागामार्फत विद्यार्थी व विद्यार्थिनींना मोफत प्रशिक्षण दिले जात आहे. सी ट्रिपल आयटीच्या माध्यमातून उद्योगासाठी उपयुक्त मनुष्यबळ तयार करण्यावर भर देण्यात येत आहे. जर्मन भाषा अवगत असलेल्या बेरोजगाराना सुमारे दहा लाख रोजगार उपलब्ध असल्याची माहितीही उपमुख्यमंत्र्यांनी दिली.

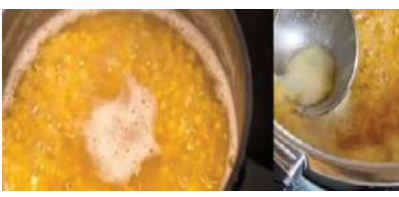
बैठकीत उपस्थित उद्योजकांनी त्यांच्या अडचणी उपमुख्यमंत्री पवार यांच्यासमोर मांडल्या. संबंधित विभागाचे प्रमुख अधिकारी व उद्योजक देखील उपस्थित होते.

उपमुख्यमंत्र्यांच्या हस्ते पारनेर नगरपंचायतीच्या ७ कोटींच्या विकासकामांचा शुभारंभ - पारनेर नगरपंचायतीमधील ७ कोटी रुपयांच्या विविध विकास कामांचा शुभारंभ उपमुख्यमंत्री अजित पवार यांच्या हस्ते कॅमराशील आनंदगार करून करण्यात आला. विकासकामे दर्जेदार व गुणवत्तापूर्ण व्हावीत, अशा सूचनाही त्यांनी यावेळी केल्या.

यावेळी आमदार काशिनाथ दाते यांच्यासह नगरपंचायतचे पदाधिकारी व अधिकारी उपस्थित होते. नगरपंचायत हद्दीतील विविध प्रभागात या ७ कोटी रुपयांच्या निधीचा वापर करून पथदिवे, रस्त्यांचे डांबरीकरण, कॅनॅलीकरण, संपादन व चौक सुशोभीकरण यासह इतर विविध कामे केली जाणार आहेत.

डाळ शिजवताना त्यावर येणारा पांढरा फेस आरोग्यासाठी धोकादायक असतो? तो काढावा की नाही?

डाळ शिजवताना अनेकदा त्या डाळीवर पेन्स येते. बऱ्याचजणांना तो फेस पोलीस वाटतो त्यामुळे ते काढून टाकतात तर काहीना तो तसाच ठेवतात. त्यामुळे अनेकांना याबद्दल वाढवत जाऊन



पेऊयात डाळीवर येणारा हल फोम आरोग्यासाठी हानिकारक असतो की नाही?

आपल्या प्रत्येकाच्या स्वयंपाक घरात सर्वप्रकारच्या डाळी असतात. या डाळी आपल्या शरीरासाठी फारच पौष्टिक मानल्या जातात. मग त्या सुक्या भाजीच्या स्वरूपात खा, किंवा मग भाजवावर पातळ डाळ म्हणून खा, फक्त कोणत्याही स्वरूपात या डाळी आपल्या पोटात जाणे फार गरजेचे असते. कारण त्यामुळे अनेक विटॅमिन आणि पोषक घटक आपल्या शरीराला मिळत असतात.

त्यामुळे अनेकदा रात्रीच्या जेवणात अनेकांकडे डाळ भात किंवा कोणत्याही डाळीची डाळीची भाजी असते. पण अनेकदा डाळ शिजवताना त्यावर हलकासा पांढरा फेस पडतो. अशावेळी ते फेसाचे पाणी काढून फेकून टावे की नाही असा प्रश्न पडतो.

कारण हा फेस आरोग्यासाठी हानिकारक असतो कि नाही

असा प्रश्न अनेकदा पडतो.

त्यामुळे बरेच लोक गोघळात असतात. त्यामुळे काही लोक फेस काढून टाकतात, तर काही जण तो तसाच राहू देतात. मग यामागील नक्की सत्य काय आहे? पोषणतज्ज्ञ यांनी याबाबत सांगितले आहे. तसेच याबद्दलचा गोष्टीही दूर केला आहे.

डाळीमध्ये फेस का तयार होतो?

जेव्हा आपण कोणतीही डाळ शिजवतो तेव्हा त्यातील स्टार्च, प्रथिने आणि सॉपोनिन्स पाण्यात विरघळतात आणि त्यामुळे डाळ शिजवतात. हा फेस कोणत्याही प्रकारे हानिकारक नाही.

सॉपोनिन्स म्हणजे काय?

सॉपोनिन्स हे वनस्पतीमध्ये आढळणारे नैसर्गिक एंजाइम आहेत.

वनस्पती कीटक आणि जंतूंपासून स्वतःचे संरक्षण करण्यासाठी ते तयार करतात. कडधान्ये वनस्पतींपासून मिळत असल्याने, त्यात सॉपोनिन्स असणे सामान्य आहे. हे घटक आपल्या शरीरासाठी हानिकारक नाहीत परंतु अनेक प्रकरणांमध्ये फायदेशीर ठरू शकतात.

होईल आणि दुसऱ्या दिवशी ७ ऑक्टोबर २०२५ रोजी सकाळी ९:१६ पर्यंत चालेल. परिणामी, शरद पौर्णिमा ६ ऑक्टोबर रोजी सजरा करण्यात येणार आहे. शरद पौर्णिमा, ज्याला कोजागिरी पौर्णिमा असेही म्हणतात. शरद पौर्णिमेचा शुभ मुहूर्त ६ ऑक्टोबर रोजी रात्री ११:४५ ते ७ ऑक्टोबर रोजी रात्री २:३४ पर्यंत आहे.

यामुळे कोजागिरी पुजेसाठी कुंकू ४९ मिनिट मिळणार आहेत. तर ६ ऑक्टोबर २०२५ रोजी चंद्रोदय सार्यकाळी ५:२७

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार महिलांचे आरोग्य, राष्ट्राची प्रगती

महिला ह्या कोणत्याही कुटुंबाचा आणि समाजाचा आधारस्तंभ आहेत. त्या केवळ कुटुंबाची काळजी घेत नाहीत, तर देशाच्या सामाजिक आणि आर्थिक प्रगतीमध्येही त्यांचे योगदान महत्वाचे आहे. जेव्हा एक महिला निरोगी आणि सक्षम असते, तेव्हा संपूर्ण कुटुंबाला बळ मिळते आणि त्यातूनच एक सशक्त कुटुंब व सशक्त राष्ट्र उभे राहते. याच विचारातून, केंद्र सरकारच्या आरोग्य व कुटुंब कल्याण मंत्रालयाने आणि महिला व बाल विकास मंत्रालयाने एकत्रितपणे 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' ही विशेष मोहीम सुरू केली आहे. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या ७५ व्या वाढदिवसानिमित्त १७ सप्टेंबर रोजी सुरू झालेली ही मोहीम २ ऑक्टोबर रोजी महत्वाची गांधी जयंतीपर्यंत चालणार आहे. या अभियानाचा मुख्य उद्देश महिलांच्या आरोग्याला सर्वोच्च प्राधान्य देणे हा आहे.

आरोग्याचा पाया : महिलांच्या आरोग्याकडे लक्ष देण्याची गरज आपल्या कुटुंबाची काळजी घेताना महिला अनेकदा स्वतःच्या आरोग्याकडे दुर्लक्ष करतात. यामुळे त्यांना अनेक आरोग्य समस्यांचा सामना करावा लागतो, जसे की पौष्टिक आहाराची कमतरता, अस्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली आणि

कमतरता आणि मानसिक ताण-तणाव. ही समस्या आजही ग्रामीण तसेच शहरी भागातील महिलांसाठी एक मोठे आव्हान आहे. यावर मात करण्यासाठी 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियानांतर्गत देशभरात, विशेषतः ग्रामीण आणि आदिवासी भागांत, लाखो महिलांना आरोग्य सुविधा पुरवल्या जात आहेत. या अभियानांतर्गत आयुष्यमान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक आरोग्य केंद्रे आणि अंगणवाड्यांमध्ये विशेष तपासण्या, लसीकरण आणि आरोग्यविषयक समुपदेशन उपलब्ध आहे. आरोग्य विभागांमार्फत कुटुंबातील महिलांना या सुविधांचा लाभ घेण्यासाठी प्रोत्साहन दिले जात आहे, जेणेकरून त्या त्यांच्या आरोग्याकडे अधिक लक्ष देतील.

प्रमुख आरोग्य तपासण्या आणि उपचार : या अभियानाचा एक महत्वाचा पैलू म्हणजे महिलांच्या आरोग्याशी संबंधित दीर्घकाळीन सामाजिक बदल घडवून आणणे. यासाठी उच्च रक्तदाब, मधुमेह, स्तन आणि गर्भाशयाचा कर्करोग यांसारख्या गंभीर आजारंवी मोफत तपासण्या विशेष जात आहे. याशिवाय क्षयरोग, कुष्ठरोग, अॅनिमिया आणि सिकल सेल अॅनिमिया यांसारख्या रोगांचीही लवकर ओळख पटवून त्यांच्यावर तातडीने उपचार सुरू केले

जात आहेत. गर्भवती महिलांसाठी हिमोग्लोबिन तपासणी, लसीकरण आणि प्रसूतीपूर्व काळजी या सुविधा उपलब्ध आहेत. 'जननी शिशु सुरक्षा योजना' आणि 'जननी सुरक्षा योजना' यांसारख्या योजनांमधून माता-शिशु मृत्यूदर कमी करण्यावर विशेष भर दिला जात आहे. याशिवाय पोषण आणि जनजागृती स्त्रांद्वारे संतुलित आहार, स्वच्छता आणि कुटुंब नियोजनाचे महत्त्व समजावून सांगितले जात आहे. 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' या मोहिमेमुळे महिलांना केवळ मोफत आरोग्य सेवांचा मिळत नाही, तर त्या आरोग्य साक्षरही होत आहेत. यामुळे महिलांचे आरोग्य सुधारेल, ज्यामुळे त्यांचे कुटुंब सशक्त होईल आणि राज्याचा एकूण आरोग्य निर्देशांक वाढेल. हा निर्देशांक वाढविण्यासाठी ही मोहीम निश्चितच फायदेशीर ठरेल, यात शंका नाही. हा उपक्रम केवळ आरोग्य सेवा पुरवण्यापुरता मर्यादित नाही, तर तो महिलांना अधिक सक्षम बनवून राष्ट्रनिर्मितेतील त्यांचे योगदान वाढवण्याच्या दिशेने टाकलेले एक महत्वाचे पाऊल आहे. जेव्हा महिला निरोगी असतील, तेव्हाच एक सक्षम आणि प्रगतिशील समाज निर्माण होईल.

मनोज सुमन शिवाजी सापे
जिल्हा माहिती अधिकारी, राणपूर

ठाणे जिल्हाधिकारी कार्यालयामार्फत अनुकंपा नियुक्ती

गरजू कुटुंबांच्या घरात एका क्षणात परतला आनंद

अनेक वर्षांपासून नेकरीच्या प्रतिष्ठे असलेल्या गरजू कुटुंबांसाठी शासनाकडून एक अत्यंत आनंददायक निर्णय घेण्यात आला आहे. ठाणे जिल्हाधिकारी कार्यालयाने अनुकंपा तत्वावरील नियुक्ती प्रक्रियेला गती देऊन, शेकडो कुटुंबांच्या जीवनात आशेचा नवा किरण आणला आहे. या नियुक्तीमुळे केवळ नेकरीच नाही, तर त्या कुटुंबांना मोठा भावनिक आणि आर्थिक आधार मिळाला आहे, ज्यांनी आपल्या कर्त्या पुराला गमावले आहे.

शासनाचा संवेदनशील निर्णय
राज्यातील अनुकंपा नियुक्तीची प्रक्रिया वेगवान करण्यासाठी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आणि अजित पवार यांच्या नेतृत्वाखालील शासनाने 1५0 दिवसांच्या कार्यक्रमांतर्गत अनुकंपा नियुक्ती देणे, या बाबीचा समावेश केला होता आणि ही कार्यवाही पूर्ण करण्याकडे विशेष लक्ष दिले होते.

प्रशासनाने घेतलेल्या कठोर परिश्रमांमुळे अनेक प्रलंबित प्रकरणे मार्गी लागली आहेत. या नियुक्ती प्रक्रियेत केवळ नियमांचे पालन केले नाही, तर प्रत्येक कुटुंबाच्या भावनांचा आणि गरजांचा संवेदनशीलतेने विचार करण्यात आला. या प्रयत्नांमुळे, एका क्षणात अनेक घरांमध्ये आनंद परतला आहे.

नियुक्ती पात्रांचे वाटप
नियुक्ती पात्रांचे वाटप शनिवार, ४ ऑक्टोबर २०२५ रोजी होणार आहे. मुंबई येथे सकाळी ११ वाजता होणाऱ्या राज्यस्तरीय मुख्य कार्यक्रमात मुख्यमंत्र्यांच्या उपस्थितीत नियुक्ती फ्रेमवर्क जाहील. त्याप्रमाणे, प्रत्येक जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी कार्यालयात स्थानिक कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले आहे. ठाणे जिल्ह्याचा कार्यक्रम हा जिल्हा नियोजन भवन समुहगत शनिवार, ४

ऑक्टोबर रोजी सकाळी ११ वाजता आयोजित करण्यात आला आहे. हा क्षण केवळ एक शासकीय सोहळा नसून, तो अनेक वर्षांच्या संघर्षाचा आणि प्रतिष्ठेचा शेवट आहे हे नियुक्ती पात्र म्हणजे केवळ एक कागद नसून, ते एका कुटुंबाचे भविष्य आहे, त्यांच्या आत्मसन्मानाची पुनर्स्थापना आहे.

मेळाव्यातील यश आणि पुढील कार्यवाही
यापूर्वी, ठाणे जिल्हाधिकारी कार्यालयामार्फत १ सप्टेंबर आणि १८ सप्टेंबर २०२५ रोजी आयोजित केलेल्या मेळाव्यात एकूण ५९ अनुकंपाधारक उमेदवार उपस्थित होते. या मेळाव्यात १५ सरकारी कार्यालयांमधील गट 'क' संवर्गातील ५७ उमेदवारांना अनुकंपा तत्वावर नेकरीसाठी शिफारस करण्यात आली. यात २०१३ पासून प्रतिष्ठा करीत असलेल्या काही जुन्या प्रकरणांचाही समावेश होता. या यशस्वी कार्यवाहीमुळे, जनतेचा प्रशासनावरील विश्वास अधिक दृढ झाला आहे. उर्वरित दोन जणांच्या शैक्षणिक व इतर पात्रतेनुसार रिक्त पदे उपलब्ध होताच त्यांनाही शासकीय कार्यालयात नियुक्ती देण्याविषयीची संधी राहून ठेवण्यात आली आहे. याचबरोबर ठाणे जिल्ह्यातील विविध शासकीय कार्यालयातील गट ड संवर्गातील प्रतिष्ठा सूची मधील ६७ अनुकंपा उमेदवारांना अनुकंपा तत्वावर नियुक्ती देण्याची कार्यवाही शासकीय कार्यालयाकडून करण्यात आली आहे.

समुपदेशन मेळावा
ठाणे जिल्ह्यात पात्र अनुकंपा तत्वावरील पात्र उमेदवारांच्या सोबत विविध कार्यालयांच्या आस्थापना विभागासोबत एकत्रित बैठक घेऊन उपलब्ध पदे, शैक्षणिक अहर्ता, पात्रता, वेतनश्रेणी, कामाचे स्वरूप, पदेवर्तीत्व इत्यादी, विशेष प्रावीण्य, तंत्रज्ञ. हा माहिती देण्यात आली होती. त्यामुळे घरातील कर्त्या माणसाच्या अवेळी जाण्याने आधार तुटलेल्या पाल्याना

अनुकंपा उमेदवारांसाठी शासकीय नेकरीत प्रवेशासाठी आणि मिळालेल्या संधीची योग्य निवड करण्यासाठी जिल्हाधिकारी कार्यालयाचे मार्गदर्शन सुख,समाधानाचे आणि आशा उंचावणारे ठरले. आणखी एक विशेष बाब म्हणजे पोलीस आयुक्तालय व ग्रामीण पोलीस विभागातून यापूर्वी अनुकंपा तत्वावर विशेषतः पोलीस विभागात नेमणूक होत होती. त्यामुळे शारीरिक पात्रता नसल्यास किंवा रिक्त पदे नसल्यास अनुकंपाचा लाभ मिळताना अडचणी येत होत्या. या कारणास्तव अनेक वर्षांपासून नियुक्ती राखडल्या होत्या. त्याबाबत निवासी उपजिल्हाधिकारी डॉ. संदीप माने यांनी पुढाकार घेवून, विभागीय पात्रावरील तसेच जीएसटी विभागातील उपलब्ध रिक्त पदे ठाणे जिल्ह्यासाठी उपलब्ध करून घेतली. ठाणे जिल्ह्यात पोलीस आयुक्तालये आणि पोलीस अधीक्षक यांच्या कार्यालयाच्या बैठका घेतल्याने पोलीस विभागासह अनुकंपा प्रक्रिया वाढीतील जास्तीत जास्त उमेदवारांना जास्तीची संधी उपलब्ध झाली. ही संपूर्ण कार्यवाही करण्यासाठी जिल्हाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाळ,अपर जिल्हाधिकारी हरिंद्र पाटील निवासी उपजिल्हाधिकारी डॉ. संदीप माने यांच्या मार्गदर्शनाखाली तहसिलदार देवण लेभे आणि आस्थापना विभागातील सर्व अधिकारी कर्मचाऱ्यांनी गेल्या काही काळापासून अहोरात्र विशेष मेहनत घेतली. त्यामुळे हे नियुक्तीचे मिळविणारे अनेक तरुण-तरुणी, वृद्ध आई-वडील आणि निराधार कुटुंबासाठी हा केवळ एक सरकारी आदेश नाही, तर त्यांच्या आयुष्यातील एक नवी सुरुवात आहे. या निर्णयामुळे शासनाने त्यांच्या प्रगतीसाठी हे सिद्ध केले आहे की, त्यांच्या भाग हळूहळू वाढत जात आहे, तर प्रत्येक नागरिकाची काळजी घेणे, ही सुद्धा प्राथमिकता आहे.

श्रीरामाकडे केवळ ११ वर्षांचा मुलगा आहे, असे मान्यते जाते. या मुलगाच्या नावाची पौर्णिमेच्या दिवशी ११ वर्षांचा मुलगाच्या खूप महत्त्व आहे. वैधानिक दृष्ट्या तो ११ वर्षांचा मुलगा म्हणजे प्रकाशाचा त्या अवस्था आहे पदे पुढीलवरून वेगवेगळ्या आकारात दिसता. अमावास्येपासून पौर्णिमेपर्यंत चंद्राचा प्रकाश भाग हळूहळू वाढत जातो आणि पौर्णिमेनंतर कमी होत जातो, यालाच चंद्राच्या कला म्हणतात.



कोजागिरी पौर्णिमा कधी आहे? जाणून घ्या तारीख आणि शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्मात शरद पौर्णिमेला खूप महत्त्व आहे. दरवर्षी अक्षिण महिन्यातील शुक्ल पक्षातील चतुर्दशीला 'शरद पौर्णिमा' सजरी केली जाते. महाराष्ट्रात याला 'कोजागिरी पौर्णिमा' तर गुजरातमध्ये याला 'शरद पौर्णिमा' असेही म्हणतात. या दिवशी देवी लक्ष्मीसह विष्णूची पूजा करण्याची परंपरा आहे. शरद शरद पौर्णिमा ६ ऑक्टोबरला आहे. शरद पौर्णिमेला चंद्राची सुंदर प्रतीमा समोर येते. वर्षभरात फक्त शरद पौर्णिमेच्या दिवशीच चंद्र १६ कलांनी भरलेला असतो.

विष्णुसहस्रनामचं करा पठण : कोजागिरी पौर्णिमेला केलेली पूजा विशेष मानले जाते. यामुळे कर्ज मुक्तीच्या दिशेने आपली वाटचाल गतिमान होते. लक्ष्मी देवीच्या आशीर्वादानेमुळे धन, भाग्य, वैभव, ऐश्वर्य प्राप्त होते, अशी मान्यता आहे. या दिवशी श्रीसुक्त, कनकधारा स्तोत्र, विष्णुसहस्रनाम आदींचे पठण करणं शुभ मानलं जातं. शरद पौर्णिमा शुभ मुहूर्त काय? : यावर्षी अक्षिण महिन्यातील पौर्णिमा तिथी ६ ऑक्टोबर रोजी दुपारी १२:२३ वाजता सुरू

होईल आणि दुसऱ्या दिवशी ७ ऑक्टोबर २०२५ रोजी सकाळी ९:१६ पर्यंत चालेल. परिणामी, शरद पौर्णिमा ६ ऑक्टोबर रोजी सजरा करण्यात येणार आहे. शरद पौर्णिमा, ज्याला कोजागिरी पौर्णिमा असेही म्हणतात. शरद पौर्णिमेचा शुभ मुहूर्त ६ ऑक्टोबर रोजी रात्री ११:४५ ते ७ ऑक्टोबर रोजी रात्री २:३४ पर्यंत आहे. यामुळे कोजागिरी पुजेसाठी कुंकू ४९ मिनिट मिळणार आहेत. तर ६ ऑक्टोबर २०२५ रोजी चंद्रोदय सार्यकाळी ५:२७

वाजता होईल. चंद्राच्या प्रकाशात ठेवली जाते खीर : प्राचीन मान्यतेनुसार, शरद पौर्णिमेच्या दिवशी खीर आणि मसाला दूध बनवले जातं. शरद पौर्णिमेच्या दिवशी दूध, तांदूळ, साखर, मधयुक्त इत्यादी पदार्थांची खीर असल्यांना दूध चंद्राच्या प्रकाशात ठेवले जातं. रात्रभर चंद्राच्या प्रकाशात खीर आणि दूध ठेवल्याने औषधी गुणधर्म प्राप्त होतात. ही खीर आसलेले रोगातिकाकारक शक्ती वाढते, लोक निरोगी राहतात. विशेषतः मानसिक आजारांमध्ये चंद्र हा मनाचा कारक

असल्यामुळे अनेक रोगापासून मुक्ती मिळते, अशी मान्यता आहे.

चंद्राच्या सोळा कला म्हणजे काय? : चंद्राच्या सोळा कला म्हणजे सोळा णु मानले जातात. प्रत्येक णु हा एका कलेशी निगडलेला असतो, अशी हिंदू धर्मात श्रद्धा आहे. तर सर्व १६ कला एका आदर्श व्यक्तिमत्त्वात उपस्थित असतात. भगवान व्यंकटेश्वर हे १६ कला असलेले एक आदर्श व्यक्तिमत्त्व मानले जाते. श्रीकृष्ण हे भगवान विष्णूचा पूर्ण अवतार मानले जातात. तर भगवान

श्रीरामाकडे केवळ ११ वर्षांचा मुलगा आहे, असे मान्यते जाते. या मुलगाच्या नावाची पौर्णिमेच्या दिवशी ११ वर्षांचा मुलगाच्या खूप महत्त्व आहे. वैधानिक दृष्ट्या तो ११ वर्षांचा मुलगा म्हणजे प्रकाशाचा त्या अवस्था आहे पदे पुढीलवरून वेगवेगळ्या आकारात दिसता. अमावास्येपासून पौर्णिमेपर्यंत चंद्राचा प्रकाश भाग हळूहळू वाढत जातो आणि पौर्णिमेनंतर कमी होत जातो, यालाच चंद्राच्या कला म्हणतात.

